अवध विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक–: त्रिंशत् पुष्प, जून, 2024

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

विशेष सहयोग

जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
अवध प्रान्त

सम्पादक की कलम से –

आज पृथ्वी पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी गर्मी से परेशान है। थर्मामीटर का पारा लगभग 46°C से 49°C तक पहुंच रहा है। जलस्तर प्रतिदिन गिरता जा रहा है। नल सूख रहे हैं किंतु व्यक्ति इनका दुरुपयोग नहीं रोक पा रहा है। सरकारें एक–दूसरे पर दोषारोपण करके अपनी जिम्मेदारी से बच रही है। पेड़ लगाने की कयावद तेज हो रही है। यह सभी क्रियाएं प्रतिवर्ष होती है और समय बीतने पर सभी भूल जाते हैं। इसका निराकरण कैसे हो इस पर कभी बात नहीं होती और पुनः जब गर्मी आती है तो सभी लोग परेशान हो जाते हैं। इसका स्थाई हल निकालने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। प्रत्येक व्यक्ति को केवल पर्यावरण दिवस का इंतजार नहीं करना होगा। जब उसे अवसर प्राप्त हो एक वृक्ष अवश्य लगाएं और केवल वृक्ष न लगाये बल्कि उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाये। इसके अतिरिक्त अन्य कारणों को भी तलाशना होगा जिससे CO^2 का उत्पादन अधिक ना हो। उसका उपयोग कम से काम करना होगा। CO^2 की बात आते ही आचार्य प्रशान्त का ध्यान आता है। एक वीडियो में CO^2 की उत्पादन की बात कर रहे थे यदि यह वीडियो सत्य है तो अभी तक जो प्रयास किए गए वह सब व्यर्थ हैं क्योंकि इसकी जड़ जहां है वहां प्रत्येक व्यक्ति की सबसे कमजोर नस है। जिसका फैसला करना बहुत कठिन है हम जितने बिंदुओं पर कार्य कर रहे हैं उसमें कुल CO^2 उत्पादन 41.4% और जो हमारी कमजोर नस है उसे CO^2 उत्पादन 58.6% है। अब हम उस कमजोर नस की बात करते हैं तो वह है जनसंख्या। आज पूरे विश्व की जनसंख्या है 800 करोड़ है। यदि 800 करोड़ की जनसंख्या पर इतनी गर्मी है तो 2047 तक जब यह संख्या 1100 से 1300 करोड़ हो जाएगी तो कितनी गर्मी होगी। हम सब टीवी पर खूब गरमा–गरम बहस विभिन्न प्रकार की मुद्दे पर देखते और सुनते हैं सरकारे बनती हैं बिगड़ती हैं परंतु जनसंख्या नियंत्रण के लिए कोई कुछ नहीं करता। यदि हम सभी इस गर्मी से बचना चाहते हैं तो हमें जनसंख्या नियंत्रण करके CO^2 उत्पादन कम करना होगा। इसके लिए प्रत्येक प्लेटफार्म पर सभी व्यक्ति को सभी के सामने हमेशा चर्चा करना पड़ेगा चाहे वह किसी भी जाति धर्म का हो। अन्यथा की स्थिति में न जाति बचेगी न धर्म बचेगा और ना ही व्यक्ति बचेगा। इसलिए सभी से निवेदन है कि वह केवल पेज पढ़कर छोड़ ना दे बल्कि इसे चर्चा का विषय बनाएं और समाज के सभी वर्गों मैं चर्चा हो जिससे इसका स्थायी हल निकल सके।

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रधान सम्पादक
पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

लखीमपुर संकुल

आचार्य विकास प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया

प्रांतीय योजनानुसार विद्या भारती विद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड में तीन दिवसीय आवासीय संकुल स्तरीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. हेमचंद जी, प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति श्री रामजी सिंह जी, संभाग निरीक्षक श्री सुरेश जी, उपाध्यक्ष भारतीय शिक्षा समिति श्री विमल अग्रवाल जी, संकुल प्रमुख डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह जी, प्रबंधक श्री रवि भूषण साहनी जी व प्रधानाचार्य श्री अरविंद सिंह चौहान जी ने माता सरस्वती व माँ भारती के चित्र के समक्ष माल्यार्पण,पुष्पार्चन व दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में जनपद लखीमपुर के विद्या भारती द्वारा संचालित 14 विद्यालयों के 330 आचार्य व आचार्या बहनों ने प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम समस्त आने वाले आगंतुकों का स्वागत,पंजीकरण व जलपान कराया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग को उद्घाटन व समापन सत्र सहित 9 सत्रों में प्रशिक्षण दिया गया है। प्रत्येक सत्र एक घंटा तीस मिनट का निर्धारित किया गया। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. हेमचंद जी द्वारा लिया गया जिसका विषय आयाम व पंचकोशीय विकास रहा। प्रथम सत्र प्रदेश निरीक्षक श्री रामजी सिंह जी द्वारा लिया गया जिसका विषय विद्यालय एवं छात्र विकास हेतु आचार्य प्रशिक्षण की आवश्यकता

रहा। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. हेमचंद जी व प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह जी ने संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सफल होने वाले आचार्य व आचार्या बहनों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य श्री आशीष बाजपेई जी वह आचार्या बहन अपूर्वा जी ने किया। संकुल स्तरीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन द्वितीय,तृतीय व चतुर्थ सत्र आयोजित किया गया जिसमें क्रमशः मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विशाल द्विवेदी जी ,डॉ. सुभाष चंद्रा जी एवम् संभाग निरीक्षक सुरेश जी ,प्रबंधक रवि भूषण सहनी जी ,संकुल प्रमुख डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह जी, प्रधानाचार्य सीबीएसई बोर्ड श्री अरविंद सिंह चौहान जी उपस्थित रहे। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि डॉ. विशाल द्विवेदी जी ने सरस्वती मां के चरणों में पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन किया उसके उपरान्त वंदना सत्र का आयोजन हुआ इस विशेष सत्र में मुख्य अतिथि जी ने कक्षा के प्रथम एवम् अंतिम छात्र सब को एक साथ बांधे रखना, कक्षा की अरुचि को दूर करना तथा आचार्यों को मेडिटेशन का तौर तरीका लाभ इत्यादि भी बताया, तृतीय सत्र में अतिथि परिचय सीबीएसई बोर्ड के प्रधानाचार्य श्री अरविंद सिंह चौहान जी ने करवाया तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि जी ने दर्शन से आचार्य को जुड़कर विद्यालय एवम् छात्र के विकास में अभिभावकों को भी सम्मिलित करने के लिए प्रेरित करना विषय रक्खा।उन्होंने साथ ही साथ उन्होंने बताया मनुष्य ब्रह्मांड का केंद्र बिंदु होता है मनुष्य के हांथ में आदर्श समाज की स्थापना का दायित्व भी होता है।और शिक्षक इस दायित्व को पूर्ण करने का एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।संभाग निरीक्षक सुरेश जी ने प्रत्येक विषय के पाठ्यक्रम एवम् पाठ योजना पर चर्चा की और नई शिक्षा नीति का अनुपालन करने एवम् उसे आत्मसात् करने की कोशिश करना इत्यादि विषय रखे। तीसरे दिन अष्टम एवं समापन सत्र सकुशल संपन्न हुआ।जिसमें प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान जी ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया। मंचासीन अतिथियों में विद्या भारती क्षेत्रीय मंत्री डॉ जे.पी.सिंह जी,उपाध्यक्ष भारतीय शिक्षा समिति श्री विमल अग्रवाल जी, संकुल प्रमुख

डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह जी प्रबंधक सीबीएसई बोर्ड श्री रवि भूषण साहनी जी, प्रधानाचार्य श्री अरविन्द सिंह चौहान जी द्वारा माता सरस्वती व माँ भारती के चित्र पर माल्यार्पण,पुष्पार्चन व दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर डॉ जे.पी.सिंह जी ने समापन सत्र में कक्षा शिक्षण में TLM का प्रयोग एवं बस्ता रहित कक्षा शिक्षण पर अपने विचार रखे एवं कक्षा कक्ष में नवीन शिक्षा नीति की उपयोगिता का जिक्र किया।इस अवसर पर विद्यालय के बालवैज्ञानिक कक्षा 7 के भैय्या रमन बाजपेई ने रोबोटिक्स का प्रदर्शन किया उन्होंने बताया की ये रोबोट स्वास्थ्य,सुरक्षा,बुजुर्गों के साथी इत्यादि के रूप में भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक रवि भूषण साहनी जी ने आए हुए मुख्य अतिथि,मंचासीन महानुभावों,सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य, आचार्य परिवार व कर्मचारी भैयाओं का आभार प्रकट किया।

लखनऊ संकुल

वृक्षारोपण किया गया

लखनऊ, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज सेक्टर क्यू अलीगंज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया गया। प्रचंड गर्मी की भयावह स्थिति से निपटने हेतु प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह ने अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ नीम , पपीता आंवला सहित विभिन्न प्रकार के फूलों का पेड़ लगाकर यह संदेश दिया की पर्यावरण संरक्षण और सूर्यदेव की प्रचंड गर्मी से बचने का एक मात्र उपाय छायादार वृक्ष लगाना ही है । इस अवसर पर सुरेश मणि सिंह ,उमेश मिश्र ,रवि पांडेय ,धर्मेंद्र ओझा , सुशील त्रिपाठी ,क्षत्रपाल और सुनील भैया ने पेड़ लगाकर उसकी देखभाल करने का भी संकल्प लिया । प्रधानाचार्य जी ने सभी आचार्यों और भईया बहनों से आग्रह किया है कि जून से लेकर जुलाई माह तक कम से कम एक छायादार वृक्ष अवश्य लगाएं ।

समाज ने हमारी शिक्षा प्रणाली का आत्मसात किया है–श्री उमाशंकर मिश्र

समाज ने हमारी शिक्षा प्रणाली को आत्मसात किया है। संस्कृति शिक्षा प्रणाली के ध्येय पथ पर 1952 से कार्य कर रही विद्या भारती ने वर्तमान में लगभग 25000 विद्यालयों की श्रृंखला बनायी है। यह बात आज मुख्य अतिथि आदरणीय उमाशंकर मिश्र जी ने प्रधानाचार्य पुनश्यचर्या वर्ग के उद्घाटन के अवसर पर कही। वर्ग की उपयोगिता एवं विद्या भारती की रीति–नीति पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने प्राचीन काल की गुरूकुल प्रणाली से लेकर मुगलकालीन शिक्षा नीति सहित आधुनिक शिक्षा तथा एन.ई.पी. 2020 की भी चर्चा की। उन्होने स्वनिर्मित क्रियाकलाप, वेदों में वर्णित शिक्षा का आधुनिक तकनीकी में उपयोग तथा स्वगौरव के जागरण की बात की। उन्होने बताया कि पांच बच्चों को लेकर प्रारम्भ की गयी शिशु मन्दिर शिक्षा व्यवस्था आज वट वृक्ष का रूप ले चुकी है। उन्होने कहा ऐसे पुरश्चर्या वर्गों से हमारी जीवन शैली में, शिक्षा प्रदान करने में तथा राष्ट्रभक्ति बालक के निर्माण का कार्य होता है। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर–क्यू में भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 10 दिन के प्रधानाचार्य वर्ग में अवध प्रान्त के विभिन्न जिलों से आये शिशु मन्दिरों के प्रधानाचार्यों/प्रभारियों के इस वर्ग में मुख्य अतिथि उमाशंकर मिश्र, विशिष्ट अतिथि डॉ0 शैलेश मिश्र, सम्भाग निरीक्षक द्वैय श्रीमान अवरीश कुमार, श्री सुरेश कुमार सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य उत्तम मिश्र तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संतोश कुमार सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वन्दना की। मंच संचालन श्री उत्तम मिश्रा ने किया, सीतापुर के संम्भाग निरीक्षक श्री सुरश जी प्रस्ताविकी रखी। विद्यालय के प्रबन्धक डॉ. शैलेश मिश्र ने आये हुये अतिथियों, प्रधानाचार्यों तथा उपस्थित जनों का आभार ज्ञापित किया।

प्रधानाचार्य विद्यालय की धुरी है–श्री रामजी सिंह

लखनऊ, सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर–क्यू, अलीगंज, लखनऊ में भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित प्रधानाचार्य पुनश्चर्या वर्ग के पाँचवे दिन माँ सरस्वती की वन्द्रना अर्चना के उपरान्त मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षा समिति अवध प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक श्रीमान रामजी सिंह ने आचार्य विकास में प्रधानाचार्य की भूमिका विषय के व्यवाहरिक पक्ष को बहुत भी प्रभावी रूप से उदाहरण सहित समझाया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रधानाचार्य विद्यालय की धुरी है। प्रधानाचार्य जैसा विद्यालय वैसा। छात्र व समाज की आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाली टोली अर्थात सहयोगी आचार्यों के गुणों के प्रकटीकरण तथा उनके सुख–दुःख की चिन्ता करना व समाज के अनुरूप आचार्यों का विकास करना प्रधानाचार्य का कार्य है। प्रधानाचार्यों को भेद–भाव रहित अपने पराये और स्वजातीय के भाव से परे रहकर विद्यालय के हित में एक प्रशासक, एक प्रेरक और एक अभिभावक की भूमिका निभानी चाहिए। प्रत्येक आचार्य के विषय में उनकी परिस्थितियों का आकलन कर निर्णय लेना चाहिए। आचार्यों को सम्पर्क के लिए प्रेरित करते समय इस बात की चिन्ता करनी चाहिए कि सम्पर्क में जाने पर आचार्य को क्या बात करनी है ? कैसा व्यवहार करना है ? और बच्चों के मन में सफलता व बड़प्पन का बीज बोना भी सिखाना चाहिए। आचार्यों के हितों की रक्षा उसके स्वाभिमान को बचाने का प्रयास करना चाहिए। आत्मीय भाव और अपनत्व के द्वारा अपने सहयोगियों का विश्वास जीतकर विद्यालय के विकास में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीतापुर के सम्भाग निरीक्षक श्रीमान सुरेश जी ने मुख्य अतिथि के साथ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वन्दना की। मंच का संचालन तथा आभार ज्ञापन पूर्व प्रधानाचार्य श्री उत्तम मिश्र ने किया।

अयोध्या संकुल

वृक्षारोपण कर संकल्प लिया

अयोध्या, विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विद्या भारती विद्यालय शिव लाल शर्मा सरस्वती शिशु/विद्या मन्दिर,तुलसी नगर,अयोध्या मे प्रधानाचार्य एवं आचार्य/आचार्या द्वारा वृक्षारोपण किया गया और उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया गया।

सीतापुर संकुल

वृक्षारोपण किया गया

आनन्दी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सदस्य माननीय वी. भगैय्या तथा अवध प्रान्त के मा. प्रान्त प्रचारक कौशल जी द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर सीतापुर विभाग के विभाग प्रचारक अभिषेक कुमार, विद्यालय के प्रबन्धक श्री राम रस्तोगी, प्रधानाचार्य राम निवास सिंह व अन्य लोग उपस्थित रहे।

बहराइच संकुल

स.वि.म. में हुये संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग की झलकियां

बहराइच में सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज में आचार्य विकास वर्ग सम्पन्न हुआ।

बाराबंकी संकुल

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया किया गया

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तहसील फतेहपुर बाराबंकी में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट 2024 में अपनी मेधा के बल पर जिले वा तहसील स्तर की मेरिट में स्थान बनाने वाले भैया/ बहनों का सम्मान किया गया। विद्यालय को अपने कुशल नेतृत्व से समाज में नई पहचान बनाने वाले यशश्वी प्रधानाचार्य श्रीमान सुनील सिंह ष्श्रेयांशष द्वारा आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया गया। परीक्षा प्रमुख श्रीमान मनोज जी द्वारा परीक्षा वृत्त प्रस्तुत किया गया हाई स्कूल में पंजीकृत संख्या 135 में शत प्रतिशत परिणाम रहा वही इंटर में पंजीकृत 168 परीक्षार्थियों में से ....सफल रहे। कठिन साधना से ही सफलता के शिखर पर पहुंचा जा सकता है, उक्त विचार मेधावी अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री हेमचंद्र जी ने व्यक्त किए। अपने वक्तव्य में आगे उन्होंने कहा कि वर्तमान युग प्रतियोगी है इसमें कठिन परिश्रम से अपनी पहचान बनाई जा सकती है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में विद्या भारती के प्रदेश निरीक्षक श्रीमान रामजी ने कहा कि जो भैया / बहन इस मेधा सूची में स्थान नही बना पाए है वह

आगामी सत्र में इस सूची में स्थान बनाने के लिए अभी से परिश्रम प्रारंभ कर दे। इंटरमीडिएट में सर्वोच्च अंक 475 लाकर जिले की मेधा सूची में 10वा स्थान बनाने वाली बहन हर्षिता यादव सहित दीपाली वर्मा 91-33% ईश्वरी गुप्ता 94-16%चित्रांशी वर्मा 91-2%मुस्कान वर्मा 90-8:,आकांक्षी रस्तोगी 90-8%]दिव्यांशी मिश्रा 90,: अंशिका वर्मा 89-2]% अंशिका कुमारी 88-6% कार्तिकेय नाग 88.6% आशीष कुमार 88-6% अमर सिंह 88-4% ओजष 88-2% अंशिका वर्मा 87-6% प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की मेधा सूची दस मेधावी भैया / बहनों में स्थान बनाया। इसी प्रकार हाई स्कूल में 572/600 में संयुक्त रूप से अंक लाने वाले भैया अमन वर्मा,और प्रत्युष मिश्रा के साथ दस मेधावी भैया / बहनों में लक्ष्मी गुप्ता 94-33%, हर्ष वर्मा 94-16%, साक्षी मिश्रा 93-33%, शिवांश वर्मा 92-33%, अनवी 91.66%, नित्या 91%,आशु वर्मा 91%, अदिति वर्मा 91%, प्रिंसी वर्मा 90-32%, आस्था वर्मा 89-5%, शिखा वर्मा 89.33:,प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर पुरस्कृत कर उन्हे उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। 75 % से अधिक अंक लाने वाले अन्य सभी भैया/ बहनों को भी विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आदरणीय डॉक्टर रामकुमार गिरी ने भैया / बहनों को अनेक उदाहरणों से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आज के इस कार्यक्रम के सुअवसर पर बहनों द्वारा स्वागत गीत, सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम संगीताचार्य प्रदीप कश्यप के निर्देशन में प्रस्तुत किए गए। आज के कार्यक्रम का संचालन आचार्य जय किशोर द्वारा किया गया।विद्यालय के प्रबंधक आदरणीय लाल बहादुर जी ने अतिथि महानुभावो का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में पत्रकार अभिभावक/ अभिभाविका विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी समेत सभी आचार्य बंधु/ भगिनी तथा भैया/ बहन उपस्थित रहे।

हरदोई संकुल

वृक्षारोपण किया गया

आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु /विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई में उद्यान प्रमुख श्री विनय कुमार सिंह द्वारा प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी से व कार्यालय प्रमुख विश्वजीत जी पुत्तनलाल जी व आचार्य ललित मोहन जी ,आचार्य राजेश जी,आचार्य वीरेन्द्र जी से भी वृक्षारोपण कराया गया। साथ ही लगाएं गये पौधों का संरक्षण करने का संकल्प लिया गया।

रायबरेली संकुल

वृक्षारोपण किया गया

सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर कालेज रतापुर, रायबरेली में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसमें कार्यक्रम प्रमुख श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने वृक्षारोपण का जीवन में महत्व को बताते हुए पर्यावरण द्वारा प्रदूषण की रोकथा हो इसलिए वृक्षारोपण किया जाना चाहिए, लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक होना चाहिए पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण दिवस की महत्ता बताई। अन्त में पौधारोपण करके कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर विद्यालय में उपस्थित समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा।

अम्बेडकर नगर संकुल

वृक्ष धरा के आभूषण हैं–अखण्ड प्रताप सिंह

विद्या भारती विद्यालय विवेकानन्द शिशु कुञ्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय विद्युतनगर टाण्डा जनपद अम्बेडकर नगर के प्राङ्गण में विद्यालय प्रबन्ध समिति के आदरणीय प्रबन्धक श्री अखण्ड प्रताप सिंह जी ने अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया। उन्होंने आम, अमरूद, मीठी नीम, पपीता, व जामुन आदि के फलदार वृक्ष लगाए। इस अवसर पर आचार्य, छात्र, अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (न्छळ।) के स्टॉकहोम सम्मेलन में लिया गया। इसकी थीम पर्यावरण संरक्षण थी। इसके बाद प्रतिवर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का थीम है – भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलताश इसका फोकस भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केन्द्रित कर किया गया है. हम सभी को ध्यान रखना होगा कि पृथ्वी पर जीवन तभी तक सम्भव है कि जब तक पृथ्वी की स्थलीय परत हरियाली से आच्छादित है हरे पौधे हमारी पृथ्वी के फेफड़े हैं, इन्हीं के द्वारा प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से हमें शुद्ध वायु मिलती है जो कि जीवन का आधार है इसीलिए प्राप्त वायु (ऑक्सीजन) को प्राणवायु भी कहते हैं। आज प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी एक पेड़ मां के नाम ऐसे अभियान की शुरुआत एक वृक्ष लगाकर की है। उनका भी उद्देश्य है कि पूरा विश्व मिलकर स्वच्छ पर्यावरण के साथ भावी पीढ़ी को जीने का अवसर प्रदान करे । इसलिए हम सभी की महती जिम्मेदारी है कि अपने जीवन में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनकी देखरेख करने का भी संकल्प लें । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र वर्मा, आचार्य प्रवीण मिश्र, सुधीर पाण्डेय, प्रमोद जी, लवकुश जी, दिलीप जी, अभिभावक राम जन्म वर्मा जी, कर्मचारी अरविन्द, राम भवन, छात्र भैया अंश पटेल, प्रत्यक्ष सिंह, हर्षित सिंह, दिव्य, आदि की उपस्थिति रही।

अति महत्वपूर्ण तिथियां

माह जुलाई–

		प्रथम सप्ताह	गृहकार्य मूल्यांकन
		द्वितीय सप्ताह	विद्या भारती लक्ष्य स्पष्ट संकल्पना
		द्वितीय पक्ष	संकुल/जिला स्तरीय त्रिदिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग
17	आषाढ़ शुक्ल एकादशी	बुधवार	मोहर्रम अवकाश
20	आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी	शनिवार	श्री गुरू पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम
22	श्रावण कृष्ण प्रतिपदा	सोमवार	बाल गंगाधर जयन्ती कार्यक्रम
		अन्तिम सप्ताह	पूर्व छात्र परिषद गठन, प्रथम स्वास्थ्य परीक्षण एवं शारीरिक क्षमता मापन
26	श्रावण कृष्ण षष्ठी	शुक्रवार	कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम
31	श्रावण कृष्ण प्रतिपदा	बुधवार	विद्यालय स्तरीय दक्षता वर्ग

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ